

(5)

### आदेश

प्रस्तुत वाद अंचल अधिकारी, जयनगर द्वारा नामान्तरण वाद सं०-659/15-16 में पारित आदेश दिनांक-16.02.2016 के विरुद्ध आवेदक मो० शमसुदीन, मो० शाहिद एवं निजामुद्दीन तीनों पिता-अब्दुल मजीद ग्राम-गरचांच थाना-जयनगर जिला-कोडरमा द्वारा अपील दायर किया गया है, साथ ही समय सीमा क्षान्त का आवेदन दाखिल किया गया है। अंगीकरण के बिन्दु पर सुनवाई के पश्चात् समय सीमा को क्षान्त करते हुए उभय पक्षों को नोटिस निर्गत किया गया। उभय पक्ष अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत किये।

आवेदक प्रथम पक्ष का कहना है कि मो० शमसुद्दीन, मो० शाहिद, निजामुद्दीन हम तीनों के बड़ा भाई अब्दुल हमीद वल्द अब्दुल मजीद ग्राम-गरचांच थाना-जयनगर जिला-कोडरमा हम चारों भाई मिलकर दिनांक-08.09.1989 को मौजा-गरचांच के खाता नं०-15 प्लॉट नं०-255 रकवा-10डी० वो मौजा-भीन्कोडीह के खाता नं०-09 प्लॉट नं०-27 रकवा-46डी० वो खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 रकवा-20डी० कुल रकवा-76डी० भूमि केवाला सं०-7494 दिनांक-08.09.1989 द्वारा जहुर मियां वल्द अली मियां साकिन-गरचांच से खरीद किये हैं। खरीद करने के दिन से ही हम चारों भाई दखलकार चले आ रहे हैं, जिसकी जमाबन्दी रजिस्टर II के पेज नं०-75/III में दर्ज होकर रसीद कटते आ रहा है। एवं दखल-कब्जा है।

आवेदक का यह भी कहना है कि बड़ा भाई अब्दुल हमीद दिनांक-12.01.2016 को मौजा-भीन्कोडीह के खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 कुल रकवा-20डी० जमीन अपनी बीबी बीबीजन खातुन के नाम वजरिये केवाला नं०-145/2016 के द्वारा हस्तांतरण कर दिये जो गलत है, चूंकि उक्त खाता प्लॉट में अब्दुल हमीद का मात्र 05डी० हिस्सा होता है। डीड में घरैया बटवारा का जिक्र है लेकिन वैसा नहीं है। बदनियति के खयाल से हम तीनों भाई का हक वो हिस्सा अपनी पत्नी बीबीजन खातुन के नाम से वजरिये केवाला द्वारा हस्तांतरण किया गया है। आवेदकों का यह भी कहना है कि केवाला में पहचानकर्ता विपक्षी का अपना समधी है एवं दूसरे गांव का है। इन्होंने अंचल अधिकारी, कोडरमा द्वारा नामान्तरण वाद सं०-659/15-16 में पारित आदेश दिनांक-16.02.2016 को रद्द करने का अनुरोध किया है।

द्वितीय पक्ष का यह भी कहना है कि मौजा-गरचांच खाता नं०-15 प्लॉट नं०-255 रकवा-10डी० वो खाता नं०-09 प्लॉट नं०-27 रकवा-46डी० एवं खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 रकवा-20डी० मौजा-भीन्कोडीह थाना-जयनगर जिला-कोडरमा, निबंधित केवाला सं०-7494 दिनांक-08.09.1989 द्वारा जहुर मियां वल्द अली मियां साकिन-गरचांच से हासिल कर दखलकार हुए दाखिल-खारीज के पश्चात् रजिस्टर II Volume N0-03 के पृष्ठ सं०-75 पर विपक्षी एवं आवेदक का नाम दर्ज है। विपक्षी का कहना है कि क्रय की गई 0.76डी० भूमि आपसी मौखिक बटवारा के द्वारा मौजा-भीन्कोडीह खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 रकवा-20डी० प्राप्त हुआ जिसे अपनी पत्नी बीबीजन खातुन को निबंधित

8/11/17

C.C. 140  
229  
8.7.17

C.C. 142  
248  
8.8.17

आदेश पर को  
कोडरमा के को  
अधीनस्थ अधिकारी

7/17

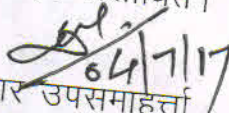


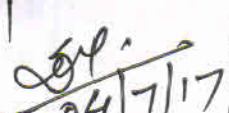
(6)

केवाला सं०-145 दिनांक-12.01.2016 को हस्तांतरण कर दखलकार बनाया  
दिनांक-01.02.2016 को दाखिल-खारीज कराकर मालगूजारी प्राप्त किया जिस  
जानकारी आवेदकों को था, परन्तु इनके द्वारा कोई आपत्ती नहीं किया गया। इन्हें  
आवेदकों का आवेदन खारीज करने का अनुरोध किया है।

उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुनने एवं कागजातों के अवलोकन से  
स्पष्ट होता है कि अब्दुल हमीद, मो० शमसुदीन, मो० शाहिद एवं निजामुद्दीन वल्द  
अब्दुल मजीद ग्राम-गरचांच चारों भाई मिलकर दिनांक-08.09.1989 को मौजा-गरचांच  
के खाता नं०-15 प्लॉट नं०-255 रकवा-10डी० वो मौजा-भीन्कोडीह के खाता नं०-09  
प्लॉट नं०-27 रकवा-46डी० वो खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 रकवा-20डी० कुल  
रकवा-76डी० भूमि केवाला द्वारा हासिल है एवं चारों भाई के नाम से रसीद निर्गत हो  
रहा है। विपक्षी अब्दुल हमीद जो आवेदकों का अपना बड़ा भाई है। क्रय की गई भूमि में  
से मौजा-भीन्कोडीह के खाता नं०-14 प्लॉट नं०-17 रकवा-20डी० भूमि केवाला  
सं०-145 दिनांक-12.01.2016 को अपनी पत्नी बीबीजन खातुन को हस्तांतरण कर दिया  
है, जिसमें अपने भाईयों को पहचानकर्ता न बनाकर अपने समधी सुकर मियां पिता-स्व  
मेघो मियां ग्राम-इरगोबाद, जयनगर को पहचानकर्ता बनाया गया है जो ग्राम-गरचांच का  
नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि बदनियति की भावना से विपक्षी अब्दुल हमीद अपनी  
पत्नी बीबीजन खातुन के नाम से विवादित भूमि को हस्तांतरण किया गया है, जिसपर  
विपक्षी का दखल-कब्जा नहीं है।

अतःअंचल अधिकारी, जयनगर द्वारा नामान्तरण वाद सं०-659/15-16 में पारित  
आदेश दिनांक-16.02.2016 को रद्द करते हुए अपील आवेदन स्वीकृत किया जाता है।  
आदेश की प्रति के साथ मूल अभिलेख अंचल अधिकारी, जयनगर को वापस भेजें।  
लेखापित एवं संशोधित।

  
भूमि सुधार उपसमाहर्ता  
कोडरमा।

  
भूमि सुधार उपसमाहर्ता,  
कोडरमा।